Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding mob lynching incidents in different parts of the country.

SHRI K.C. VENUGOPAL (ALAPPUZHA): Madam Speaker, I thank you very much for giving me an opportunity to express the serious situation throughout the country regarding the attack on freedom speech and mob lynching incidents happening throughout the country.

Our Constitution and the rule of law grants equal rights to every citizen to express his opinion by the physical attack against the political opponents and persons who have a different view has become the order of the day nowadays. Dialoguers and discussions form the crux of the democratic society. People belonging to the Ruling Parry are trying to take law into their hands and silence the opposite views. There are a lot of such happenings in the country. Dialogue and discussions are healthy for the democratic country. But what is happening now? There are attacks against people. They are not sparing even the Treasury Benches. Respected Sushma Swaraj was amusedly told in the social media by the people belonging to the same ideology for performing her constitutional duty. We have difference of opinion with Shrimati Sushma Swaraj and her ideology but the happenings against her is also condemnable. The hon. Prime Minister is also keeping silent on these things.

Madam Speaker, I am pointing out a very serious issue. I would request the Government to secure the democratic environment in the country. About two or three days ago, Swami Agnivesh had been brutally attacked in Jharkhand. What has he done in Jharkhand? The Minister of Jharkhand himself is justifying the attack. Nobody has been taken into custody and no case has been registered. Is this the rule of law? Targeting people with different views has become a daily affair. Why is this happening? The Minister from the Government is supporting it. I can say that the hon. Minister of State of Finance, Shri Jayant Sinha, has garlanded the accused persons. The Minister himself has done it. Then how can you ensure

law and order in the country? … (*Interruptions*) Madam, this is a very important issue. … (*Interruptions*)

Madam, you know that the Missionary of Charity of Mother Teresa is one of the important organisations. That organisation has also been targeted by the Union Government. I want the response of the Home Minister. Hon. Supreme Court has given a direction to the Government to come up with a new law.

माननीय अध्यक्ष:

श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन,

एडवोकेट जोएस जॉर्ज,

श्री रवीन्द्र कुमार जेना,

श्री एम.बी.राजेश,

श्री राजीव सातव,

श्री पी.के.बिजू तथा

श्रीमती सुप्रिया सुले को श्री के.सी. वेणुगोपाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

HON. SPEAKER: Do you want to complete, Shri Venugopal? If so, you please complete.

… (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Do you want to complete, Shri Venugopal? If so, you please complete. यहाँ पर पूरा हिन्दुस्तान नहीं लाना है।

SHRI K.C. VENUGOPAL (ALAPPUZHA): The attitude of the Government is also worsening the situation in the country. What has happened with Missionaries of Charity. The Government is misusing its agencies for targeting people who have different views. Therefore, hon. Supreme Court has intervened and given a direction to create a new law.

Therefore, I urge upon the Government to make a law to stop mob lynching and also advise the Minister not to garland the accused people. This is my demand.

माननीय अध्यक्ष : हो गया, हर एक को नहीं बोलना है। आप बैठिए।

…(<u>व्यवधान</u>)

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह): अध्यक्ष महोदया, यह सच है कि देश के कई भागों में लिंचिंग की घटनाएं हुई हैं, जिनमें कई लोगों की जानें गई हैं। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि ऐसा नहीं है कि विगत कुछ वर्षों में ही लिंचिंग की घटनाएं इस देश में हुई हैं।…(व्यवधान) आप पूरी बात तो पहले सुन लीजिए।

माननीय अध्यक्ष : आप शांति से सुनिए।

…(<u>व्यवधान</u>)

श्री राजनाथ सिंह : लिंचिंग की घटनाएं पहले भी होती रही हैं, लेकिन लिंचिंग की घटनाओं में जो भी हताहत होते हैं, जो भी मारे जाते हैं, वह निश्चित रूप से किसी भी सरकार के लिए चिंता का एक विषय हो सकता है। मॉब लिंचिंग के कारण जिन लोगों की भी हत्यायें हुई हैं अथवा जो भी घायल हुए हैं, उसकी मैं अपनी सरकार की तरफ से भर्त्सना करता हूं, आलोचना करता हूं। इस एप्रोच को मैं पूरी तरह से कंडेम्न करता हूं। सभी सम्मानित सदस्यों को इस बात की जानकारी होगी कि इस प्रकार की मॉब लिचिंग की जो घटनाएं होती हैं, वे अफवाहों के आधार पर होती हैं, संदेह के आधार पर होती है, अनवैरिफाइड जो फेक न्यूज होती हैं, उनके कारण भी इस प्रकार की घटनाएं होती हैं। राज्य सरकारों की यह जिम्मेदारी बनती है कि इस प्रकार की जो भी घटनाएं होती हैं, उस पर वे प्रभावी कार्रवाई करें। पुलिस हो अथवा पब्लिक आर्डर हो, यह स्टेट सब्जेक्ट है, यह सेंटर का सब्जेक्ट नहीं है। स्टेट सब्जेक्ट होने के बावजूद केन्द्र सरकार इस पर चुप्पी साधकर नहीं बैठ सकती है। लगातार जब इस प्रकार की घटनाएं हो रही थीं, तब तुरन्त हमारी होम मिनिस्ट्री के द्वारा एक बार नहीं दो बार, एक बार वर्ष 2016 में भी एडवाइजरी जारी की गई और फिर वर्ष 2018 में जुलाई के फर्स्ट वीक में भी हम लोगों ने एडवाइजरी जारी की है। अध्यक्ष महोदया, जैसा मैंने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से जिस तरह से फेक न्यूज प्रोपगेट करने की कोशिश की जाती है, उसके कारण भी इस प्रकार की घटनाएं होती हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : टोका-टोकी नहीं।

...(<u>व्यवधान</u>)

श्री राजनाथ सिंह : हम लोगों ने जो सोशल मीडिया सर्विस प्रोवाइडर्स हैं, उनसे भी यह कहा है कि ऐसी फेक न्यूज, अफवाहों को रोकने के लिए अपने सिस्टम में वे चेक इंस्टाल करें। ...(व्यवधान) ये जो सोशल मीडिया सर्विस प्रोवाइडर्स हैं, उन सोशल मीडिया सर्विस प्रोवाइडर्स को भी हम लोगों ने कहा है। ...(व्यवधान) मैं कहना चाहता हूं कि इस प्रकार की घटनाएं बहुत ही दुर्भायपूर्ण होती हैं। इस संबंध में जहां पर भी घटनाएं हुई हैं, शायद ही कुछ घटनाओं के बारे में ऐसा हुआ हो कि संबंधित मुख्यमंत्री से हमारी बात न हुई हो, लेकिन इस प्रकार की घटनाएं होने के बाद और उसकी जानकारी मिलने के बाद तत्काल उन मुख्यमंत्रियों से भी मैं सीधे बातचीत करता हूं और उनसे मैं यही आग्रह करता हूं कि जो भी इसमें अपराधी हों, उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब हो गया। ऐसा नहीं होता है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जीरो ऑवर में जीरो ऑवर जैसा ही काम करते हैं।